SHIKSHA SAMVAD
International Open Access Peer-Reviewed & Refereed
Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-02, Issue-01, September- 2024
www.shikshasamvad.com

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन"

डॉ0 राजकुमार यादव
एसोसिएट प्रोफसर
शिक्षक–शिक्षा विभाग
राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर
उत्तर प्रदेश

संदीप कुमार
शोधार्थी
(बी0एड0, एम0एड0, नेट)
शिक्षक–शिक्षा विभाग
राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, जौनपुर उत्तर प्रदेश

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मुस्लिम और गैर–मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव को समझना है। इसमें विभिन्न कारक, जैसे अभिभावकों की शिक्षा, आर्थिक स्थिति, धार्मिक–सांस्कृतिक मान्यताएं, और पारिवारिक समर्थन, महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुस्लिम परिवारों में पारंपरिक सोच और आर्थिक सीमाओं के कारण बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जबकि गैर–मुस्लिम परिवारों में शिक्षा को आर्थिक और सामाजिक उन्नति का माध्यम मानते हुए बच्चों को अधिक प्रोत्साहित किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक भिन्नताओं के कारण मुस्लिम विद्यार्थियों का ध्यान धार्मिक शिक्षा पर अधिक होता है, जबकि गैर–मुस्लिम परिवार आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान को प्राथमिकता देते हैं। सकारात्मक पारिवारिक वातावरण और समर्थन मिलने पर बच्चे अधिक आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर होते हैं, जो उनकी शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देता है। शोध अध्ययन के निष्कर्ष – उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया,

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

मुख्य शब्द :– उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थी, पारिवारिक वातावरण, शैक्षिक उपलब्धि

• प्रस्तावना

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर–मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावष विषय पर अध्ययन एक महत्वपूर्ण और व्यापक विषय है जो विद्यार्थियों के पारिवारिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक धारणाओं, सामाजिक समर्थन प्रणाली और शैक्षिक संभावनाओं को समझने में सहायक होता है। पारिवारिक वातावरण में विभिन्न कारक, जैसे अभिभावकों की शिक्षा, उनकी आर्थिक स्थिति, पारिवारिक मूल्य, अभिभावकों का शिक्षण में सहयोग, घर में अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण, और माता–पिता का शैक्षिक आकांक्षाएं, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पारिवारिक वातावरण में आंतरिक और बाहरी दोनों प्रकार के कारक शामिल होते हैं। आंतरिक कारक, जैसे परिवार के सदस्यों का आपसी संबंध, बच्चों के प्रति माता–पिता का व्यवहार, शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण, और उनके द्वारा विद्यार्थियों के लिए निर्धारित अपेक्षाएं, इन कारकों का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सीधा प्रभाव होता है। मुस्लिम परिवारों में धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी पारिवारिक वातावरण का हिस्सा होती हैं, जो कभी–कभी बच्चों की शिक्षा को लेकर विशिष्ट दृष्टिकोण और अपेक्षाएं उत्पन्न करती हैं। दूसरी ओर, गैर–मुस्लिम विद्यार्थियों के परिवारों में, विशेषकर हिंदू परिवारों में, शिक्षा का अधिक महत्व देखा गया है। कई अध्ययनों से पता चला है कि गैर–मुस्लिम विद्यार्थियों के परिवारों में बच्चों को शिक्षा के प्रति अधिक प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसी स्थिति में, मुस्लिम और गैर–मुस्लिम परिवारों के बीच इन विभेदों का विश्लेषण करना इस अध्ययन का महत्वपूर्ण पहलू है। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में पारिवारिक आर्थिक स्थिति की भूमिका भी निर्णायक होती है। साधन–संपन्न परिवारों के बच्चे अधिक सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, जैसे कि शिक्षण सामग्री, अच्छे शिक्षण संस्थान, और अतिरिक्त सहायता का प्रबंध। मुस्लिम परिवारों में, खासकर निम्न आय वर्ग में, आर्थिक कठिनाइयों के कारण बच्चे शिक्षा में आवश्यक साधनों की कमी से जूझते हैं। इसके विपरीत, गैर–मुस्लिम परिवारों में आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों के बच्चों को अधिक अवसर और संसाधन मिलते हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में वृद्धि करते हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण भी विद्यार्थियों की शैक्षिक दिशा को प्रभावित करते हैं। मुस्लिम परिवारों में धार्मिक शिक्षाओं का अनुपालन अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिलता है, जिसके कारण धार्मिक अध्ययन पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। मुस्लिम विद्यार्थियों में पारंपरिक सोच के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा की कमी हो सकती है, विशेषकर लड़कियों में। दूसरी ओर, गैर–मुस्लिम परिवारों में आधुनिक शिक्षा की ओर झुकाव अधिक देखा गया है। इस कारण वे अपने बच्चों को वैज्ञानिक सोच, तार्किकता, और नई तकनीकों के प्रति प्रेरित करते हैं, जो उन्हें बेहतर शैक्षिक उपलब्धियां प्राप्त करने में मदद करते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है पारिवारिक समर्थन प्रणाली, जो छात्रों की शैक्षिक सफलता में निर्णायक भूमिका निभाती है। जिन विद्यार्थियों को अपने परिवार से समर्थन और मार्गदर्शन मिलता है, वे कठिनाइयों का सामना अधिक आत्मविश्वास के साथ करते हैं। गैर–मुस्लिम परिवारों में, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, माता–पिता बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, जिससे बच्चे अधिक आत्मनिर्भर और प्रोत्साहित महसूस करते हैं। इसके विपरीत, मुस्लिम परिवारों में आर्थिक समस्याओं के कारण अभिभावक बच्चों को पूर्ण रूप

से शैक्षिक सहायता देने में असमर्थ हो सकते हैं, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। पारिवारिक वातावरण में बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास का भी विशेष योगदान होता है। जिन विद्यार्थियों के घर में सकारात्मक वातावरण होता है, वे अधिक अनुशासित, आत्म–निर्भर और आत्म–विश्वास से युक्त होते हैं, जो उनकी शैक्षिक प्रगति में सहायक होता है। इसके विपरीत, जिन बच्चों के घर में अशांति, अभाव, या शिक्षा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण होता है, उनमें पढ़ाई के प्रति रुचि कम होती है। मुस्लिम समुदाय में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी तथा सामाजिक बाधाओं के कारण बच्चे शिक्षा में पिछड़ जाते हैं। इसके विपरीत, गैर–मुस्लिम समुदाय में, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, शिक्षा के प्रति रुझान अधिक है। शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में यह भिन्नता परिवारों के शैक्षिक माहौल पर भी असर डालती है, जिसके परिणामस्वरूप मुस्लिम समुदाय के बच्चे प्रतिस्पर्धा में कमजोर साबित होते हैं। पारिवारिक वातावरण का विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव केवल आर्थिक स्थिति, धार्मिक मान्यताओं या अभिभावकों के शिक्षण से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह एक जटिल संरचना है जिसमें सामाजिक समर्थन, मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक धारणाएं और व्यक्तिगत प्रेरणा भी शामिल हैं।

• अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार होती है, और विभिन्न समुदायों में शैक्षिक उपलब्धियों में अंतर समाज के विकास और समरसता को प्रभावित कर सकता है। इस अध्ययन के माध्यम से मुस्लिम और गैर–मुस्लिम विद्यार्थियों के बीच शैक्षिक असमानताओं का कारण समझने में सहायता मिलती है, जो नीति–निर्माताओं, शिक्षाविदों, और अभिभावकों के लिए लाभप्रद हो सकता है। मुस्लिम समुदायों में पारंपरिक सोच, धार्मिक मान्यताएं, और आर्थिक सीमाएं विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति में बाधा डाल सकती हैं, जबकि गैर–मुस्लिम समुदायों में, विशेषकर शहरी और आर्थिक रूप से समृद्ध परिवारों में, शिक्षा को अधिक प्रोत्साहित किया जाता है और आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया जाता है। इस प्रकार का अध्ययन उन कारकों का विश्लेषण करता है जो विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं, जैसे कि परिवार का आर्थिक स्तर, अभिभावकों का शैक्षिक दृष्टिकोण, घरेलू समर्थन, और शिक्षा के प्रति सकारात्मक रुझान। इसके अतिरिक्त, यह अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक, और सामाजिक विकास को भी समझने में मदद करता है, जो शिक्षा में उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। जब पारिवारिक वातावरण सहायक और प्रोत्साहक होता है, तो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, आत्म–निर्भरता और शैक्षिक सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसके विपरीत, जब पारिवारिक वातावरण में अशांति या नकारात्मक दृष्टिकोण होता है, तो विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियां प्रभावित होती हैं। इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिए भी है ताकि मुस्लिम विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक अवसरों में सुधार हेतु प्रभावी नीतियों का निर्माण किया जा सके, जिससे सामाजिक संतुलन, समरसता, और राष्ट्रीय विकास की दिशा में एक कदम आगे बढ़ा जा सके।

• सम्बन्धित साहित्य का महत्व

सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अध्ययन हुए हैं जिसमें से कुछ इस प्रकार है– **सिंह, अंजूबाला (2019), भाटिया, अंशु, चौधरी, इन्दिरा (2019),** श्रीमती मनीषा (2020), शर्मा एवं खातून (2020), तिवारी, राधेश्याम (2021),

कक्कड़, डॉ सोनिया एवं तिवारी, शालिनी (2021), शर्मा, गोपेश कुमार एवं गुप्ता, डॉ0 सविता (2022) आदि के द्वारा अध्ययन किये गये हैं।

- **समस्या कथन**

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन"

- **चरों का परिभाषिकरण**

➢ **उच्चतर माध्यमिक विद्यालय** – उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को हिंदी में हायर सेकेंडरी स्कूल कहा जाता है। यह विद्यालय उच्चतर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए होता है और आमतौर पर विद्यार्थियों की आयु 14 से 18 वर्ष के बीच होती है, जो कि 9वीं और 10वीं कक्षा के पास करने के बाद उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए आते हैं। इन विद्यालयों में विभिन्न विषयों में अध्ययन करने का मौका मिलता है, जो छात्रों की अध्ययन और करियर के विभिन्न पहलुओं को बढ़ावा देता है।

➢ **मुस्लिम विद्यार्थी** – मुस्लिम विद्यार्थियों से तात्पर्य इस्लाम धर्म को मानने वाले विद्यार्थियों से है।

➢ **गैर मुस्लिम विद्यार्थी** – गैर मुस्लिम विद्यार्थियों से तात्पर्य इस्लाम धर्म को न मानने वाले विद्यार्थियों से है। जिसमें सिख विद्यार्थी, जैन विद्यार्थी, बौद्ध विद्यार्थी, सनातन धर्म के विद्यार्थियों से है।

➢ **पारिवारिक वातावरण** – पारिवारिक वातावरण का अर्थ बालक के उस वातावरण से है जो उसे परिवार से मिलता है। अगर परिवार की बात करें तो "घर या परिवार मानवीय समाज की एक सर्वाधिक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है"। घर या परिवार व्यक्ति के जीवन से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है। क्योंकि बालक का वृद्धावस्था तक विकास गृहवातावरण के अन्तर्गत ही होता है। गृहवातावरण एक बालक तथा उसके व्यवहार को प्रारम्भ से ही नियंत्रित करने, स्नेह व अनुशासन प्रदान करने में अहम् भूमिका निभाता है। **क्लेमर** – "परिवार या घर से हम सम्बन्धों की वह व्यवस्था समझते हैं जो माता–पिता तथा उनकी संतानों की बीच पाई जाती है"। धार्मिक गृहवातावरण, बालक में धार्मिक भावना का समावेष करता है। जिस प्रकार का घर का वातावरण होता है उसी प्रकार बालक का विकास भी उसी दिशा में होता है।

➢ **शैक्षिक उपलब्धि** – शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ उन लक्ष्यों और परिणामों से है जो विद्यार्थी अपनी शैक्षिक यात्रा के दौरान प्राप्त करते हैं। इसमें उनकी परीक्षा में प्राप्त अंक, ग्रेड, शैक्षिक स्तर पर सफलता, कौशलों में दक्षता, और ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग शामिल है। शैक्षिक उपलब्धि केवल पाठ्यक्रम की सामग्री को याद कर लेने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह विद्यार्थियों की समझ, विश्लेषण, समस्या समाधान क्षमता, और नए विचारों को अपनाने की योग्यता को भी प्रदर्शित करती है। शैक्षिक उपलब्धि कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि विद्यार्थियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि, उनके व्यक्तिगत गुण, शिक्षक का सहयोग, और शैक्षिक वातावरण। यह इस बात का सूचक है कि विद्यार्थी अपने अध्ययन में कितने कुशल हैं और उनका विकास किस स्तर पर हो रहा है। शैक्षिक उपलब्धि का महत्व इस कारण भी है कि यह विद्यार्थियों को आगे के शैक्षिक और व्यावसायिक

अवसरों के लिए तैयार करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है, और उन्हें समाज में एक सफल और जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायता प्रदान करती है।

- **अध्ययन के उद्देश्य**
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
- **अध्ययन की परिकल्पनाऐं**
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।
  - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।
- **आंकड़ा संग्रहण के उपकरण**

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए उच्च माध्यमिक स्तर विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

- **न्यादर्श**

वर्तमान शोधपत्र हेतु 240 मुस्लिम विद्यार्थी एवं 360 गैर मुस्लिम विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

- **उपकरण**
  - पारिवारिक वातावरण मापनी – डॉ॰ करूणा शंकर मिश्र द्वारा निर्मित प्रश्नावली।
  - शैक्षिक उपलब्धि मापनी – द्वारा गत वर्षों के परीक्षा परीणाम लेकर।
- **परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या**

परिकल्पना क्रमांक 1 :– उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।

तालिका संख्या – 1

मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव की स्थिति

Group	N	Correlation	Signification
मुस्लिम विद्यार्थी	240	0.0155	धनात्मक सहसम्बन्ध
गैर मुस्लिम विद्यार्थी	360	0.0165	धनात्मक सहसम्बन्ध

व्याख्या :– तालिका संख्या 1 में मुस्लिम विद्यार्थियों के परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.0155 पाया गया है। पाया गया मान धनात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.0165 पाया गया है। पाया गया मान धनात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है।

परिकल्पना क्रमांक 2 :– उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।

तालिका संख्या – 4.2

मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव की स्थिति

Group	N	Correlation	Signification
मुस्लिम छात्र	120	0.0956	धनात्मक सहसम्बन्ध
गैर मुस्लिम छात्र	180	-0.0324	ऋणात्मक सहसम्बन्ध

व्याख्या :– तालिका संख्या 4.2 में मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों का परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.0956 पाया गया है। पाया गया मान धनात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों का परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान –0. 0324 पाया गया है। पाया गया मान ऋणात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है।

परिकल्पना क्रमांक 3 :– उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है।

तालिका संख्या – 3

मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव की स्थिति

Group	N	Correlation	Signification
मुस्लिम छात्राऐं	120	-0.0847	ऋणात्मक सहसम्बन्ध
गैर मुस्लिम छात्राऐं	180	0.0430	धनात्मक सहसम्बन्ध

व्याख्या :– तालिका संख्या 3 में मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान –0.0847 पाया गया है। पाया गया मान ऋणात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का परिवार के वातावरण व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0. 0430 पाया गया है। पाया गया मान धनात्मक सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है।

• शोध अध्ययन के निष्कर्ष

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम कला वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

• सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अग्रवाल, डॉ. निधी एवं सत्तार, डॉ. अब्दुल एवं जैन, श्रीमती मनीषा (2020) : पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन,Int.J.Ad. Social Sciencess. 2020.
- कक्कड़, डॉ सोनिया एवं तिवारी, शालिनी (2021)[1] : उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरुकता स्तर पर प्रभाव का अध्ययन, Vol-6, Issue-03, 2021; ISSN No. : 2456-1355; National Journal of Research and Innovative Practices (NJRIP).
- तिवारी, राधेश्याम (2021)[1] : शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन, JETIR December 2021, Volume 8, Issue 12.

- शर्मा, गोपेश कुमार एवं गुप्ता, डॉ0 सविता (2022) : कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन, Volume 9, Issue 8, JETIR August 2022.
- शर्मा एवं खातून (2020) : उच्च प्राथमिक विद्यालयों की छात्राओं का पारिवारिक वातावरण एवं अनुशासन पर किये गये अध्ययन की समीक्षा, Universe Journal of Education & Humanities ISSN 2348-3067 43 Volume-7, No. 1 Feb.-2020, pp. Hin.43-46.

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

SHIKSHA SAMVAD

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed or Refereed Research Journal
ISSN: 2584-0983 (Online) Impact-Factor, RPRI-3.87
Volume-02, Issue-01, Sept.- 2024
www.shikshasamvad.com
Certificate Number-Sept-2024/40

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डॉ0 राजकुमार यादव और संदीप कुमार

For publication of research paper title

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-01, Month September, Year- 2024, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.shikshasamvad.com